केंद्र आदिपुंचनगिरि पीयू कॉलेज में छात्रों से परीक्षा कक्ष में प्रवेश करने से पहले उन्हें जनेऊ उतारने के लिए कहने की बात है तो इसको देखकर हर कोई स्तब्ध है। कर्नाटक ब्राह्मण सभा के सदस्य नटराज भागवत की शिकायत के बाद मामला दर्ज कर लिया गया है। देखना होगा कि इस मामले में कोई बड़ी कार्रवाई होती है या नहीं लेकिन जिसने भी जनेऊ उतारने के लिए कहा या कहलवाया उसे पता होना चाहिए कि यज्ञोपवीत यानि जनेऊ ब्राह्मण की प्रदत्त महान शक्ति है।

का खतरा नज़र आ रहा है? क्या मुर्शिदाबाद हिंसा का कोई ऐसा सच है, जो ममता बनर्जी छुपा रही हैं और इसलिए उन्होंने कहा

राज्यपाल ने कहा कि महिलाओं ने बताया कि उन्हें धमकाया गया, बदमाश उनके घरों में घुस आए और उनके साथ मारपीट की गई।

स्थिति में रह रहे पीड़ितों का हाल-चाल जानने, मुर्शिदाबाद में कानून व्यवस्था को देखने, हिंसा की जड़ों तक पहुंचना है और वो इस पर

की मांग करती रही है और मुर्शिदाबाद हिंसा के बाद भी भाजपा ने बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाकर चुनाव कराने की मांग की

इसमें और मौलानाओं के साथ बैठक की
- 17 अप्रैल को ममता सरकार ने हिंसा पर रिपोर्ट पेश की

अच्छे बनकर मुसीबत खड़ी करेंगे, तो क्या ममता समझ रही हैं कि मुर्शिदाबाद की हिंसा, अब उनके लिए फांस बन सकती है।

ऐतिहासिक एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय शोध सेमिनार, पुस्तक लोकार्पण, नाट्य प्रस्तुति एवं ग्लोबल टॉप 50 अचीवर्स अवार्ड समारोह कन्याकुमारी में संपन्न

तमिलनाडु। प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर प्रशांत हिंद महासागर से घिरे भारत के दक्षिणी छोर कन्याकुमारी में गोपाल किरण समाजसेवी संस्था द्वारा डॉ.अंबेडकर जयंती के अवसर पर एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय भव्य सेमिनार साथ एमसीए कन्याकुमारी, में एसोसिएशन फॉर म्युचुअल फंड ऑफ इंडिया के सहयोग से आयोजित किया जिसमें पुस्तक लोकार्पण, कविता पाठ एवं शोध प्रबंध पर व्याख्यान हुए जो अत्यंत महत्वपूर्ण एवं रुचि कर रहे। जिसका उद्घाटन श्री सूर्यकांत शर्मा सीनियर कंसल्टेंट (स्वच्छ) द्वारा किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. एम. आर. रायपुरिया आदर्श प्राचार्य तथा विकास दनु गवई, राष्ट्रीय अध्यक्ष इतिहास विभाग डॉ.बाबासाहेब अंबेडकर मराठवाड़ा विद्यापीठ औरंगाबाद, श्रीमती बी. पदु, (धमतरी), के. नागराज, डॉ. शेख बेनजीर, विभागाध्यक्ष, हिंदी, चितूर, हरिलाल डेगल, (एडवोकेट), जिला एवं सत्र न्यायालय, दंतेवाड़ा, डॉ. रविंद्र सिंह नाग, सहायक मेडिकल ऑफिसर, आदित्य प्रताप सिंह, चेन्नई, डॉ.के.नागराज एसोसिएट प्रोफेसर, तमिलनाडु, डीआर डॉ.आर.श्रीदेवी, मंजूनाथ नीलप्पा, उत्तर कन्नड़, डॉ.एल.पी.लमानी, कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़, आदि थे। कार्यक्रम का आरंभ अंबेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उपस्थित सभी जनों ने पुष्प अर्पण किए बाबा साहब को। स्वागत गीत डॉ.सुनीता पांडे अंतरराष्ट्रीय शोध लेखिका, कवयित्री, सामाजिक वैज्ञानिक, सामाजिक चिंतक, भोपाल एवं श्रीमती बी. एल. पदु ने प्रस्तुत किया। सभी ने कार्यक्रम में संविधान के उद्देश्यों का एक स्वर में वाचन किया। कार्यक्रम के श्री सूर्यकांत शर्मा जी ने अपना अनुभव साझा किया। डॉ.एल.पी.लमानी जी ने अंबेडकर जी के जीवन के संघर्षों पर प्रकाश अपने प्रभावी वक्तव्य से डाला। डॉ. एम.आर. रायपुरिया आदर्श जी ने अपने अनुभव के आधार पर अंबेडकर जी के ऊपर अपने बहुमूल्य विचार रखें। आपने उनके ऊपर एक फिल्म भी बनाई है जिसका ट्रेलर अभी रिलीज हुआ है। डॉ. बी.लक्ष्मी ने बहुभाषी कविताएं अपने अनोखे अंदाज में प्रस्तुत करी दो-दो पंक्तियों में। इसी क्रम में डॉ.के नागराजन ने तमिलनाडु में कर रहे अपने विभिन्न विशिष्ट कार्यों के बारे में बताया और हो रही परेशानियां रखी और बताया फिर भी वह अपने कार्य में लगे हुए हैं डॉ. अंबेडकर से हमें प्रेरणा लेना चाहिए। डॉ. उद्धव पटेल ने चिकित्सा क्षेत्र में रहते हुए अपने विद्यालय में साथ पढ़े हुए अपने एलमनाई साथियों को जोड़कर समूह बनाकर अनोखी पहल कर रहे हैं। साथ ही एक रोचक कहानी सुनाई जिसका सार पूर्णतु था। उपस्थित सभी अतिथियों सभी अतिथियों एवं विद्वान जनों ने अपनेतु अपने विचार साझा करते हुए कहा कि बाबासाहेब, यदि आप न होते तो आज हम कहां होते, कल्पना करना ही भयावह लगता है। भगवान को किसी ने नहीं देखा है, लेकिन यदि भगवान होता होगा तो स्वरूप हमारे भीमराव अम्बेडकर जैसा होगा विश्व में यदि कोई ग्रंथ होगा तो हमारा संविधान होगा जो हमको समता, स्वतंत्रता, न्याय प्रदान करता है। वह 20वीं शताब्दी के श्रेष्ठ दार्शनिक, ओजस्वी लेखक, यशस्वी वक्ता, स्वतंत्र भारत के प्रथम कानून मंत्री, दलितों, गरीबों के मसीहा, समाजशास्त्र, मानवशास्त्र, राजनीति शास्त्र और अर्थ शास्त्र के प्रकांड विद्वान, समकालीन न समतामूलक समाज की स्थापना करने वाले विधि विशेषज्ञ और उत्कृष्ट कौशल के धनी और उदारवादी, अंधे को आँख, बहरों को कान और गूंगों को जुबान, नारी को सम्मान, गांधी को जीवनदान, भारत को सुंदर संविधान देने वाले बहुजन के विधाता, हम सबके मुक्तिदाता, वंचितों के ढाल, ज्ञान के पिपासु, नारी उद्धारक, समाज सुधारक, इतिहास के पारखी, क्रिताबों के साथी, निडर, निर्भय, धैर्यवान, उच्च कोटि के विद्वान, ज्ञान का प्रतीक, लीडर ऑफ गोल्डमैन, महान शिल्पकार, बौद्ध धर्म को 20वीं सदी में पूर्ण स्थापित करने वाले महानायक, ईमानदार के प्रहरी, वर्तमान और भविष्य की आवाज, विश्व के सरताज, कानून के ज्ञाता संविधान निर्माता, बोधिसत्व, भारत रत्न है। श्रीप्रकाश सिंह निमराजे ने कहा है जब तक देश में जातिवाद की समाप्ति नहीं होगी तब तक विषमताएं रहेंगी जरूरी है इस पर कानून बनाया जाए। जिससे समानता आ सके। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों ने भाग लिया वे अंत तक मंचासीन रहे। डॉ. महिमा सिंह ने अपनी एकल काव्य पुस्तक भावगीतिका में से तीन प का जाल नामक कविता का काव्य पाठ किया जिसे सभी ने सराहा। डॉ. सुधांशु कुमार चक्रवर्ती ने एकांकी हिन्दी नाटक मंच पर एकल अभिनय प्रस्तुत किया। श्रीमती बी.पदु ने सावित्री बाई फुले पर एकल नाटक प्रस्तुत किया जो की बहुत ही प्रभावशाली रहा उनकी अभिनय शैली भी बहुत ही उत्कृष्ट रही। भोजन काल के उपरांत इस समारोह में प्रत्येक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु अनेक गुणीजनों को ग्लोबल टॉप 50 के तहत इंटरनेशनल सिंबल ऑफ नॉलेज डॉ. बी. आर. अंबेडकर आइकॉन अचीवर्स अवॉर्ड, सावित्रीबाई फुले ग्लोबल डायमंड डिग्निटी अचीवर्स अवॉर्ड, ग्लोबल आइकॉन इक्वलिटी लिटरेरी अचीवर्स अवॉर्ड, ग्लोबल आइकॉन इक्वलिटी लिटरेरी अचीवर्स अवॉर्ड, विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में देश भर से आए समाजसेवी, शिक्षाविद्, विचारक, साहित्यकार आदि सम्मानित किये गए। संस्था के संस्थापक श्रीप्रकाशसिंह निमराजे ने बताया कि यह सम्मान न केवल व्यक्ति विशेष की उपलब्धियों का गौरव है बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव की प्रेरणा भी है। संस्था के संस्थापक श्री श्रीप्रकाश सिंह निमराजे को इतिहास विभाग डॉ.बाबासाहेब अंबेडकर मराठवाड़ा विद्यापीठ औरंगाबाद ने भारतीय संविधान के फोटो युक्त तस्वीर भेंट की उनका सरल व्यक्तित्व सभी को भाया। डॉ. महिमा सिंह जी एक शिक्षिका, लेखिका पर्यावरण सामाजिक विद् है साथ ही साथ धर्म एवं समाज के कई पहलुओं पर सार्थक कार्य कर रही है। संस्थान ने उनको सम्मान प्राप्त करने हेतु अनेकों बधाइयां दी और भविष्य में भी संस्था के साथ जुड़े रहने का संकल्प उनसे लिया। समता लिटरेरी ग्लोबल आइकॉन अचीवर्स अवार्ड प्राप्त करने के लिए डॉक्टर महिमा सिंह जी ने संस्था को हृदय से धन्यवाद दिया और वहां उपस्थित सभी ने उनको शुभकामनाएं दी। डॉ. महिमा सिंह जी ने बताया कि वह बहुत ही प्रसन्न है सम्मान को प्राप्त करके और इस खुशी की घड़ी में उनकी खुशी और भी दुगनी हो गई क्योंकि उनके जीवन साथी उनके साथ इस अवसर पर उपस्थित थे। सभी बहुत हर्षित थे और भविष्य में भी इसी तरह निरंतर कार्य करने के प्रति दृढ़ प्रतिज्ञ रहने का सभी ने वादा किया। सभी अत्यन्त उत्साहित एवं प्रसन्न चित्त दिखे। कार्यक्रम श्रीप्रकाश सिंह निमराजे के नेतृत्व में के.सी. मीणा के संरक्षण में माया एम एच के मार्गदर्शन में किया गया।

एक दर्जन सट्टा किंग पकड़े

छतरपुर, हमपांच। छतरपुर पुलिस द्वारा जुआ सट्टा के विरुद्ध निरंतर कार्यवाही की जा रही है। खेलने वाले के साथ-साथ संचालन करने वाले एवं एजेंट एवं सुपर एजेंट के विरुद्ध सख्ती से कार्यवाही की जा रही है। थाना कोतवाली पुलिस ने विगत दिनों में पृथक पृथक स्थानों से सट्टा/जुआ खेलने वाले 12 आरोपियों को गिरफ्तार कर 9 के विरुद्ध पब्लिक गैंबलिंग एक्ट के तहत कार्यवाही की गई है। * थाना कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत किशोर सागर तालाब के पास से आरोपी शुभम गुप्ता पिता सुरेश कुमार गुप्ता निवासी एलआईसी के सामने वाली गली छतरपुर को मैच में ऑनलाइन साइट से सट्टा लगाते हुए गिरफ्तार किया, एंड्राइड मोबाइल फोन जप्त किया गया। आईडी देने वाले एजेंट अन्य दो आरोपी हैप्पी उर्फ नंद प्रताप सिंह एवं अंकुर असाटी के विरुद्ध अपराध दर्ज किया गया। * शिव शंकर कॉलोनी से मैच में ऑनलाइन साइट में सट्टा लगा रहे आरोपी सुमित अग्रवाल पिता राजेंद्र प्रसाद निवासी शिव शंकर कॉलोनी छतरपुर को गिरफ्तार किया गया मोबाइल फोन जप्त किया गया, आईडी देने वाले एजेंट शैलेंद्र पाठक सहित दोनों के विरुद्ध अपराध दर्ज कर कार्यवाही की गई। * महोबा रोड बस स्टैंड छतरपुर के पास से मैच में ऑनलाइन साइट में सट्टा लगा रहे आरोपी पीयूष अग्रवाल पिता उमेश अग्रवाल निवासी सीताराम कॉलोनी छतरपुर को गिरफ्तार किया गया, मोबाइल फोन जप्त किया गया। * बसारी दरवाजा के पास से सट्टा लगा रहे आरोपी मोहम्मद शेख पिता मोहम्मद सुलेमान निवासी बसारी दरवाजा के पास छतरपुर को सट्टा पर्ची नगद राशि सहित गिरफ्तार किया गया। * हमा बेयर हाउस के पास से जुआ के फड़ में जुआ खेल रहे आरोपी मंगल सिंह पिता मुलायम सिंह निवासी ग्राम बारी थाना गढ़ी मलहरा, राजेंद्र साहू पिता सत्यनारायण निवासी विश्वनाथ कॉलोनी छतरपुर, प्रताप सिंह परमार पिता नारायण सिंह निवासी बारी थाना गढ़ी मलहरा, कौशलेंद्र घोष पिता नारायण निवासी सीताराम कॉलोनी छतरपुर को गिरफ्तार किया गया साथ ही फड़ से फरार अन्य 4 आरोपी बबलू राजा निवासी ग्राम कांटी, भूपेंद्र राजा निवासी ग्राम गोरगा, वृजभान यादव निवासी टिकमपुरवा, लखन पाल निवासी गौरिया मोहल्ला सहित 8 लोगों के विरुद्ध अपराध दर्ज किया गया। दो मोटरसाइकिल ?15900 नगद राशि जप्त की गई थी। * फोरलेन बाईपास सिद्धन पहाड़िया के पास से जुआ खेल रहे चार आरोपी आफताब अली उर्फ अप्पू पिता अनवर अली, रविंद्र कुशवाहा उर्फ बब्बू पिता कन्दई कुशवाहा निवासी खटकयाना मोहल्ला एवं किशन कुशवाहा पिता राकेश कुशवाहा, मनोज कुशवाहा पिता छकोड़ी कुशवाहा निवासी बड़ी बगराजन बाईपास के पास से 2100 के अधिक नगद राशि बरामद कर अपराध दर्ज किया गया। उक्त कार्यवाही में नगर पुलिस अधीक्षक श्री अमन मिश्रा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक अरविंद सिंह दांगी, उप निरीक्षक राहुल शुक्ला, उप निरीक्षक सत्येंद्र सिंह यादव, प्रधान आरक्षक अरविंद कुशवाहा, मानसिंह, उमाशंकर, अवधेश, आरक्षक नरेश सिंह, आशीष प्रताप राजेश एवं पुलिस टीम की भूमिका रही।

गन्ने का रस, गर्मी में स्वाद के साथ राहत भी, लेकिन ज़रा सी लापरवाही कर सकती है बीमार, रखें ये सावधानी

छतरपुर, हमपांच। गर्मी का मौसम चिलचिलाती धूप, पसीना और उमस भरी बेचैनी तो लाता ही है, लेकिन इसी मौसम की एक मीठी तस्वीर भी है। इसी मौसम में फलों का राजा आम आता है, ठंडा-मीठा तरबूज राहत देता है और ढेर सारी ठंडक लिए आता है गन्ने का रस। गर्मियां आते ही सड़क किनारे, बाजारों में गन्ने के रस की दुकानें सज जाती हैं। ये स्वादिष्ट जूस कफनाशी भी होता है और ढेर सारे गुणों का खजाना भी। लेकिन ध्यान देना जरूरी है कि गन्ने का रस पूरी हाइजीन के साथ तैयार किया गया है। अगर यह साफ-सफाई न रखी जाए तो ये जानते हैं गन्ने के रस के फायदे, नुकसान, स्वच्छता और सही तरीके से इसका सेवन कैसे किया जाए। गन्ने का रस न सिर्फ स्वाद में लाजवाब है, बल्कि इसमें कई पोषक तत्व भी मौजूद हैं जो इसे सेहत के लिए लाभकारी बनाते हैं। ये तुरंत ऊर्जा प्रदान करता है। गन्ने के रस में नेचुरल शुगर (सुक्रोज) होती है जो शरीर को इंस्टेंट एनर्जी देती है। साथ ही ये पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स से भरपूर होता है, जो गर्मी में डिहाइड्रेशन से बचाने में मदद करता है। गन्ने के रस में मौजूद इसमें मौजूद पोटैशियम और फाइबर पाचन को दुरुस्त रखते हैं। यह पेट की होते हैं, जो हड्डियों, खून और त्वचा के लिए फायदेमंद हैं। हालांकि गन्ने का रस सेहत के लिए फायदेमंद है, लेकिन इसके अधिक या गलत तरीके से सेवन से कुछ नुकसान भी हो सकते हैं। क्योंकि ये नेचुरल शुगर से भरपूर होता है तो इस कारण ब्लड शुगर लेवल तेजी से बढ़ जाता है तो दूषित हो सकता है। सुनिश्चित करें कि गन्ने का रस निकालने वाली मशीन साफ हो। गंदी मशीनों में बैक्टीरिया और कीटाणु हो सकते हैं। रस परोसने के लिए साफ गिलास या डिस्पोजेबल गिलास का उपयोग होना चाहिए। गंदे गिलासों से इन्फेक्शन का खतरा रहता है। इससे पेट में अधिक ठंडा सर्व किया जाता है, जिससे गले में खराश या सर्दी-जुकाम की समस्या हो सकती है। कुछ लोगों को गन्ने के रस से एलर्जी हो सकती है, खासकर अगर इसमें नींबू, अदरक या अन्य चीजें मिलाई गई हों। गन्ने का रस पीने का सही तरीका अपनाकर आप इसके स्वाद का आनंद लेने के साथ इसका लाभ भी ले सकते हैं। सबसे पहले इसे सीमित मात्रा में पिएं। एक दिन में 200-250 मिलीलीटर गन्ने का रस पर्याप्त है। हमेशा ताजा निकाला हुआ रस ही पिएं। बासी या पहले से निकाला हुआ रस बैक्टीरिया का घर हो सकता है। खाली पेट गन्ने का रस पीने

सीईओ एवं सीएमओ जल गंगा संवर्धन अभियान में प्रभावी कार्य व गतिविधियां करें : कलेक्टर

छतरपुर, हमपांच। कलेक्टर पार्थ जैसवाल ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट एनआईसी कक्ष से जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत किए जा रहे कार्यों के संबंध में समीक्षा बैठक की। बैठक में जिला पंचायत सीईओ तपस्या परिहार, डीएफओ सर्वेश सोनवानी, एडीएम मिलिंद नागदेवे, डिप्टी कलेक्टर विशा माधवानी, एसडीएम सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे वहीं व्हीसी के माध्यम से जनपदों के सीईओ एवं निकायों के सीएमओ सहित अन्य अधिकारी जुड़े रहे। कलेक्टर श्री जैसवाल ने निकायवार समीक्षा करते हुए उद्यान बाग बगीचों में हरित विकास करने, पेय जल के लिए प्याऊ व्यवस्था, हरित क्षेत्र विकास, एक्वीफर मैनेजमेंट प्लान तैयार करने, रेन वाटर हार्वेस्टिंग स्थापित करने, नालों के शोधन कार्य एवं पानी के अपव्यय को रोकने के लिए सभी निकायों के सीएमओ को निर्देशित किया। साथ ही शुरू किए गए कार्यों की जानकारी लेते हुए सीएमओ को शेष कार्यों को शीघ्र शुरू कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने एमपीएम की मॉनिटरिंग में नौगांव सीएमओ को हरित क्षेत्र विकास के लिए शीघ्र क्षेत्र चिन्हित कर काम शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने बड़ामलहरा सीएमओ को रेन वाटर हार्वेस्टिंग, अर्बन फॉरेस्ट्री विकसित करने के लिए निर्देशित किया। हरपालपुर सीएमओ द्वारा हरित क्षेत्र विकास में कोई कार्य नहीं करने पर शोकॉज जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही कार्यों की तकनीकी एवं प्रशासनिक स्वीकृति को शीघ्र कराने के निर्देश दिए और कहा कि शॉर्ट टेंडर जारी कर वर्क ऑर्डर करें।

एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय शोध सेमिनार, पुस्तक लोकार्पण एवं ग्लोबल टॉप 50 अचीवर्स अवार्ड समारोह, कन्याकुमारी में संपन्न

कन्याकुमारी से डॉ. पुरूषोतम अर्गल, / अभियान आज तक,

कन्याकुमारी/ प्राकृतिक सौंदर्य से भरपुर प्रशांत हिंद महासागर से घिरे भारत के दक्षिणी छोर कन्याकुमारी में गोपाल किरण समाजसेवी संस्था द्वारा डॉ.अंबेडकर जयंती के अवसर पर एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय भव्य सेमिनार वाय एमसीए कन्याकुमारी ,में एसोसिएशन फॉर म्यूचुअल फंड ऑफ इंडिया के सहयोग से आयोजित किया जिसमें पुस्तक लोकार्पण ,कविता पाठ एवं शोध प्रबंध पर व्याख्यान हुए जो अत्यंत महत्वपूर्ण एवं रुचि कर रहे। जिसका उद्घाटन श्री सूर्यकांत शर्मा सीनियर कंसलटेंट (स्वविरुद्ध) द्वारा किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. एम. आर.य रायपुरिया 'आदर्श' प्राचार्य

साहित्यकार, सामाजिक चिंतक

तथा विकास दत्तू गवई,राष्ट्रीय अध्यक्ष इतिहास विभाग डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापिठ औरंगाबाद, श्रीमती बी. यदु, (धमतरी), जे. नागराज, डॉ. शेख बेनजीर,विभागाध्यक्ष, हिंदी, चित्तूर, हरिलाल डेगल, (एडवोकेट), जिला एवं सत्र न्यायालय, दंतेवाड़ा, डॉ. रविंद्र सिंह नाग,सहायक मेडिकल ऑफिसर, आदित्य प्रताप सिंह, चेन्नई ,डॉ.जे.नागराज एसोसिएट प्रोफेसर, तमिलनाडु, डीआर डॉ.आर.श्रीदेवी, मंजूनाथ नीलप्रा, उत्तर कन्नड़, डॉ.एल.पी.लमानी,असिस्टेंट प्रोफेसर, कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़, आदि थे। कार्यक्रम का आरंभ अंबेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उपस्थित सभी जनों ने पुष्प अर्पण किए बाबा साहब को।

स्वागत गीत डॉ.सुनीता पंद्रो, अंतरराष्ट्रीय शोध लेखिका, कवयित्री,सामाजिक वैज्ञानिक , सामाजिक चिंतक,भोपाल एवं श्रीमती बी. एल. यदु ने प्रस्तुत किया । सभी ने कार्यक्रम में संविधान के उद्देश्यों का एक स्वर में वाचन किया । कार्यक्रम के श्री सूर्यकांत शर्मा जी ने अपना अनुभव साझा किया ।

डा.एल.पी.लमानी जी ने अंबेडकर जी के जीवन के संघर्षों पर प्रकाश अपने प्रभावी वक्तव्य से डाला। डॉ. एम.आर. रायपुरिया "आदर्श "जी ने अपने अनुभव के आधार पर अंबेडकर जी के ऊपर अपने बहुमुखी विचार रखें । आपने उनके ऊपर एक फिल्म भी बनाई हैं जिसका ट्रेलर अभी रिलीज हुआ हैं। डॉ. बी.लक्ष्मी ने बहुभाषी कविताएं अपने अनोखे अंदाज में प्रस्तुत करी दो-दो पंक्तियों में । इसी क्रम में डॉ.जे नागराजन ने तमिलनाडु में कर रहे अपने विभिन्न विशिष्ट कार्यों के बारे में बताया और हो रही परेशानियां रखी और बताया फिर भी वह अपने कार्य में लगे हुए हैं डॉ. अंबेडकर से हमें प्रेरणा लेना चाहिए। डॉ. उद्धव पटेल ने चिकित्सा क्षेत्र में रहते हुए अपने विद्यालय में साथ पढ़े हुए अपने एलमनाई साथियों को जोड़कर समूह बनाकर अनोखी पहल कर रहे है । साथ ही एक रोचक कहानी सुनाई जिसका सार घुमंतू था । उपस्थित सभी अतिथियो सभी अतिथियों एवं विद्वान जनों ने अपनेड्ड अपने विचार साझा करते हुए कहा कि बाबासाहेब, यदि आप न होते तो आज हमय कहां होते, कल्पना करना ही भयावह लगता है। भगवान को किसी ने नहीं देखा है, लेकिन यदि भगवान होता होगा तो स्वरूप हमारे भीमराव अम्बेडकर जैसा होगा।विश्व में यदि कोई ग्रंथ होगा तो हमारा संविधान होगा जो हमको समता , स्वतंत्रता, न्याय प्रदान करता है। वह 20वी शताब्दी के श्रेष्ठ दर्शनिक, ओजस्वी लेखक, यशस्वी वक्ता, स्वतंत्र भारत के प्रथम कानून मंत्री, दलितों, गरीबों के मसीहा, समाजशास्त्र, मानवशास्त्र, राजनीति शास्त्र और अर्थ शास्त्र के प्रकांड विद्वान, समकालीन व समतामूलक समाज की स्थापना करने वाले विधि विशेषज्ञ और उत्कृष्ट कौशल के धनी और उदारवादी, अंधे को आँख, बहरों को कान और गूंगो को जुबान, नारी को सम्मान, गांधी को जीवनदान, भारत को सुंदर संविधान देने वाले बहुजन के विधाता, हम सबके मुक्तिदाता, वंचितों के ढाल, ज्ञान के मिसाल, नारी उद्धारक, समाज सुधारक, इतिहास के पाठी, किताबों के साथी, निडर, निर्भय, धैर्यवान, उच्च कोटि के विद्वान, ज्ञान का प्रतीक, लीडर ऑफ गोलमे?, महान शिल्पकार,बौद्ध धर्म को 20वीं सदी में पूर्ण स्थापित करने वाले महानायक , जातीयता के बैरी, इंसानियत के प्रहरी, वर्तमान और भविष्य की आवा?, विश्व के सरताज, कानून के ज्ञाता संविधान निर्माता, बोधिसत्व, भारत र%, है। श्रीप्रकाश सिंह निमराजे ने कहा है जब तक देश में जातिवाद की समाप्ति नहीं होगी तब तक विषमताएं रहेगी जरूरी है इस पर कानून बनाया जाए। जिससे समानता आ सके।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों ने भाग लिया वे अंत तक मंचासीन रहे। डॉ. महिमा सिंह ने अपनी एकल काव्य पुस्तक भावमीहिका में से "तीन प का जाल" नामक कविता का काव्य पाठ किया जिसे सभी ने सराहा । डॉ. सुधांशु कुमार चक्रवर्ती ने एकांकी हिन्दी नाटक "सत्ता " पर एकल अभिनय प्रस्तुत किया।

श्रीमती बी.यदु ने सावित्री बाई फुले पर एकल नाटक प्रस्तुत किया जो की बहुत ही प्रभावशाली रहा उनकी अभिनय शैली भी बहुत ही उत्कृष्ट रही। भोजन काल के उपरांत इस समारोह मे प्रत्येक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु अनेक सुधीजनों को ग्लोबल टॉप 50 के तहत इंटरनेशनल सिंबल ऑफ नॉलेज डॉ. बी. आर. अंबेडकर आइकॉन अचीवर्स अवॉर्ड,सावित्रीबाई फुले ग्लोबल डायमंड डिग्निटी अचीवर्स अवॉर्ड,ग्लोबल आइकॉन इक्वलिटी लिटरेरी अचीवर्स अवॉर्ड,ग्लोबल आइकॉन इक्वलिटी लिटरेरी अचीवर्स अवॉर्ड,विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में देश भर से आए समाजसेवी शिक्षा विद,विचारक, साहित्यकार आदि सम्मानित किये गए । संस्था के संस्थापक श्रीप्रकाशसिंह निमराजे ने बताया कि यह सम्मान न केवल व्यक्ति विशेष की उपलब्धियां का गौरव है बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव की प्रेरणा भी है। संस्था के संस्थापक भी श्रीप्रकाश सिंह निमराजे को विकास दत्तू गवई,राष्ट्रीय अध्यक्ष इतिहास विभाग डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ औरंगाबाद ने भारतीय संविधान की उद्देशिका की फोटो युक्त तस्वीर भेंट की उनका सरल व्यक्तित्व सभी को भाया ।

डॉ. महिमा सिंह जी एक शिक्षिका ,लेखिका पर्यावरण सामाजिक विद् है साथ ही साथ धर्म एवं समाज के कई पहलुओं पर सार्थक कार्य कर रही है । संस्थान ने उनको सम्मान प्राप्त करने हेतु अनेकों बधाइयां दी और भविष्य में भी संस्था के साथ जुड़े रहने का संकल्प उनसे लिया । समता लिटरेसी ग्लोबल आइकॉन अचीवर्स अवार्ड प्राप्त करने के लिए डॉक्टर महिमा सिंह जी ने संस्था को हृदय से धन्यवाद दिया और वहां उपस्थित सभी ने उनको शुभकामनाएं दी ।

डॉ. महिमा सिंह जी ने बताया कि वह बहुत ही प्रसन्न हैं सम्मान को प्राप्त करके और इस खुशी की घड़ी में उनकी खुशी और भी दुगनी हो गई क्योंकि उनके जीवन साथी उनके साथ इस अवसर पर उपस्थित थे। सभी बहुत हर्षित थे और भविष्य में भी इसी तरह निरंतर कार्य करने के प्रति दृढ़ प्रतिज्ञ रहने का सभी ने वादा किया । सभी अत्यन्त उत्साहित एवं प्रसन्न चित्त दिखे। कार्यक्रम श्रीप्रकाश सिंह निमराजे के नेतृत्व में के.सी. मीणा (IFS) के संरक्षत्व में माया एस एच के मार्गदर्शन में किया गया।

संतों का काम ही लोक कल्याण एवं जन उद्धार है : जगद्गुरु श्री वसंत विजयानंद गिरि जी महाराज

श्रीराजराजेश्वरी मंदिर में राजगोपुरम के शिलालेख का वास्तुनुरुप हुआ पूजन आदि शंकराचार्य पाट परंपरानुसार जगद्गुरु का हुआ सहस्त्राभिषेक

डॉ संजय जोशी, अभियान आज तक

रायपुर। यहां छत्तीसगढ़ राज्य के मुंगेली जिले में खम्हार डीह साकेत परसिया रोड, मनियारी नदी के निकट श्री चर महामेरु पीठम के पीठाधिपति स्वामी श्री सच्चिदानंद तीर्थ महाराज के हार्दिक निमंत्रण पर पहुंचे परमहंस परिव्राजकाचार्य अनन्त श्री विभूषित कृष्णगिरी पीठाधीश्वर जग-ुरु 1008 परम पूज्यपाद श्री वसन्त विजयानन्द गिरी जी महाराज ने शुर वार को श्रीराजराजेश्वरी मंदिर के राजगोपुरम अर्थात् शिखर का वास्तुनुरुप विधिवत शिला पूजन किया। पूजन के साथ यहां उपस्थित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के मकान, दुकान इत्यादि के वास्तुदोष निवारणार्थ भी मंत्र शक्तिपात किया। उल्लेखनीय है त्रेता युग में भगवान श्री राम, माता सीता एवं लक्ष्मणजी ने बनवास के दौरान इस क्षेत्र में विचरण किया था। पूज्यपाद जग-ुरु ने प्रभु के चरणों से पवित्र इस पवित्र धरा को वंदनीय प्रणाम करते हुए लोक कल्याणार्थ समस्त भक्तों को मांगलिक भी प्रदान की।

इस मौके पर विगत दिनों प्रयागराज महाकुंभ में सनातन परंपरा में साधु संप्रदाय में सर्वोच्च पद जग-ुरु के पद से नवाजे जाने पर आदि शंकराचार्य की पाट परंपरानुसार भी श्री वसंत विजयानंद गिरि जी महाराज का स्वामीश्री सच्चिदानंद तीर्थजी ने पूजित मंत्रित कलशों से सहस्त्राभिषेक किया। इस दौरान वेदपाठी ब्राह्मण पंडितों द्वारा मंत्रोचार किया गया। दौराने कार्यर म अपने आशीर्वचनीय संदेश में पूज्यपाद जगदगुरु श्री वसंत विजयानंद गिरिजी महाराज ने कहा कि भक्त बनना पुण्य है, संतों की निश्रा मिलना महापुण्य है। उन्होंने कहा कि कोई भी भक्त स्वार्थवश भी गुरु, संत अथवा भगवान के मंदिर में जाएं तो सौभाग्य से स्वभाव के अनुरूप भक्तों को पुण्य

ही प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि संत हमेशा ज्ञान ही देंगे। व्यक्ति के जीवन की शैली में विनय, विवेक तथा सार्थक बनाने वाले प्रेरणादाई प्रवचन में साधना के शिखर पुरुष, सर्व धर्म दिवाकर ने जीवन के अनेक नियम भी समझाए। उन्होंने कहा कि आज के व्यक्ति में सहिष्णुता नहीं रही है। वे बोले कि पूरा संसार एक तरंग से चल रहा है। व्यक्ति की दरिद्रता, रोग, दुख का कारण अज्ञानता है। इसमें झूठ बोलना, गलत आदतें, रखना अशुद्ध रहना, गाली देना, बिना मतलब परस्पर झगड़ा करना जैसे कृत्य भी शामिल हैं। पूज्यपाद जग-ुरु ने प्रसंगवश केसर व इलायची का उदाहरण देते हुए यह भी कहा कि प्रकृति की यह दो चीज अनमोल हैं जो सुगंधित है और समृद्धि को आकर्षित करती है।

पारिवारिक रिश्तों में परस्पर प्रेम एवं समन्वय बनाए रखने की सीख देते हुए पूज्यपाद जगदगुरु ने कहा कि जीवन में सहिष्णुता से समृद्धि निश्चित ही संभव हैं। इस अवसर पर श्री पार्श्व पद्मावती शक्तिपीठ तीर्थ धाम कृष्णगिरी तमिलनाडु की ओर से नवनिर्मित श्री राजराजेश्वरी मंदिर निर्माण हेतु आर्थिक सहयोग प्रदान किया गया। पीठम के श्री कार्यम डॉ कौशल किशोर दुबे, भूपेश यादव सहित अनेक विप्र जनों ने आयोजन की विभिन्न व्यवस्थाओं में किया। कृष्णगिरी तीर्थ के डॉ संकेश छाजेड़ ने बताया कि इससे पूर्व पूज्यपाद जग-ुरु के रायपुर आगमन पर हवाई अड्डे बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्तों ने गगनचुम्बी जयकारों के साथ पूज्यपाद जग-ुरु का श्रीफल , मालाओं एवं शॉल अर्पण कर स्वागत सत्कार किया।

एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय शोध सेमिनार, पुस्तक लोकार्पण एवं ग्लोबल टॉप 50 अचीवर्स अवार्ड समारोह कन्याकुमारी में संपन्न

ग्वालियर। प्राकृतिक सौंदर्य से भरपुर प्रशांत हिंद महासागर से घिरे भारत के दक्षिणी छोर कन्याकुमारी में गोपाल किरण समाजसेवी संस्था द्वारा डॉ.अंबेडकर जयंती के अवसर पर एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय भव्य सेमिनार वाय एमसीए कन्याकुमारी ,में एसोसिएशन फॉर म्यूचुअल फंड ऑफ इंडिया के सहयोग से आयोजित किया जिसमें पुस्तक लोकार्पण ,कविता पाठ एवं शोध प्रबंध पर व्याख्यान हुए जो अत्यंत महत्वपूर्ण एवं रुचि कर रहे। जिसका उद्घाटन सूर्यकांत शर्मा सीनियर कंसलटेंट द्वारा किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. एम. आर. रायपुरिया आदर्श प्राचार्य साहित्यकार, सामाजिक चिंतक तथा विकास दत्तू गवई,राष्ट्रीय अध्यक्ष इतिहास विभाग डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापिठ औरंगाबाद, श्रीमती बी. यदु, (धमतरी), जे. नागराज, डॉ. शेख बेनजीर,विभागाध्यक्ष, हिंदी, चित्तूर,

हरिलाल डेगल, (एडवोकेट), जिला एवं सत्र न्यायालय, दंतेवाड़ा, डॉ. रविंद्र सिंह नाग,सहायक मेडिकल ऑफिसर, आदित्य प्रताप सिंह, चेन्नई ,डॉ.जे.नागराज एसोसिएट प्रोफेसर, तमिलनाडु, डीआर डॉ.आर.श्रीदेवी, मंजूनाथ नीलप्रा, उत्तर कन्नड़, डॉ.एल.पी.लमानी,असिस्टेंट प्रोफेसर, कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़, आदि थे। कार्यक्रम का आरंभ अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उपस्थित सभी जनों ने पुष्प अर्पित किए। स्वागत गीत डॉ. सुनीता पंद्रो अंतर्राष्ट्रीय शोध लेखिका श्रीमती बी. एल. यदु ने प्रस्तुत किया । सभी ने कार्यक्रम में संविधान के उद्देश्यों का एक स्वर में वाचन किया । कार्यक्रम के सूर्यकांत शर्मा ने अपना अनुभव साझा किया ।

डॉ. एल.पी. लमानी ने अंबेडकर जी के जीवन के संघर्षों पर प्रकाश डाला। डॉ. एम.आर. रायपुरिया आदर्श जी ने अपने अनुभव के आधार पर अंबेडकर के ऊपर अपने बहुमुखी विचार रखें। डॉ. बी.लक्ष्मी ने बहुभाषी कविताएं अपने अनोखे अंदाज में प्रस्तुत की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों ने भाग लिया। डॉ. सुधांशु कुमार चक्रवर्ती ने एकांकी हिन्दी नाटक सत्ता पर एकल अभिनय प्रस्तुत किया। श्रीमती बी.यदु ने सावित्री बाई फुले पर एकल नाटक प्रस्तुत किया। संस्था के संस्थापक श्रीप्रकाशसिंह निमराजे ने बताया कि यह सम्मान न केवल व्यक्ति विशेष की उपलब्धियां का गौरव है बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव की प्रेरणा भी है। संस्था के संस्थापक भी श्रीप्रकाश सिंह निमराजे को विकास दत्तू गवई, राष्ट्रीय अध्यक्ष इतिहास विभाग डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ औरंगाबाद ने भारतीय संविधान की उद्देशिका की फोटो युक्त तस्वीर भेंट की। कार्यक्रम श्रीप्रकाश सिंह निमराजे के नेतृत्व में के.सी. मीणा के संरक्षत्व में माया एस एच के मार्गदर्शन में किया गया।

दैनिक
सत्ता सुधार
जनता के साथ जनता की आवाज
ग्वालियर ■ शनिवार 19 अप्रैल 2025 ■ वर्ष-26 ■ अंक-270 ■ पृष्ठ-16 ■ मूल्य-₹04

सुविचार
शाश्वत शांति की प्राप्ति के लिए शांति की इच्छा नहीं बल्कि आवश्यक है इच्छाओं की शांति।
-स्वामी ज्ञानानंद

अंतरराष्ट्रीय शोध सेमिनार व पुस्तक का लोकार्पण ग्लोबल टॉप 50 अचीवर्स अवार्ड कन्याकुमारी में संपन्न

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर प्रशांत हिंद महासागर से घिरे भारत के दक्षिणी छोर कन्याकुमारी में गोपाल किरण समाजसेवी संस्था द्वारा डॉ.अंबेडकर जयंती के एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय भव्य सेमिनार वाय एमसीए कन्याकुमारी में एसोसिएशन फॉर म्यूचुअल फंड ऑफ इंडिया के सहयोग से आयोजित किया। जिसमें पुस्तक लोकार्पण, कविता पाठ एवं शोध प्रबंध पर व्याख्यान हुए। जिसका उद्घाटन सूर्यकांत शर्मा सीनियर कंसलटेंट (एएमएफआई) द्वारा किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. एम.आर.रायपुरिया 'आदर्श' प्राचार्य साहित्यकार, सामाजिक चिंतक तथा विकास दत्तू गवई, राष्ट्रीय अध्यक्ष इतिहास विभाग डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापिठ औरंगाबाद, श्रीमती बी. यदु, (धमतरी), जे. नागराज, डॉ. शेख बेनजीर, विभागाध्यक्ष, हिंदी, चित्तूर, हरिलाल डेगल, (एडवोकेट), जिला एवं सत्र न्यायालय, दंतेवाड़ा, डॉ. रविंद्र सिंह नाग, सहायक मेडिकल ऑफिसर, आदित्य प्रताप सिंह, चेन्नई, डॉ.जे.नागराज एसोसिएट प्रोफेसर, तमिलनाडु, डीआर डॉ.आर.श्रीदेवी, मंजूनाथ नीलप्रा, उत्तर कन्नड़, डॉ.एल.पी.लमानी, असिस्टेंट प्रोफेसर, कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़ आदि थे। स्वागत गीत डॉ.सुनीता पंद्रो अंतरराष्ट्रीय शोध लेखिका, कवयित्री,सामाजिक वैज्ञानिक, सामाजिक चिंतक, भोपाल एवं श्रीमती बी.एल.यदु ने प्रस्तुत किया। डॉ.एल.पी.लमानी ने अंबेडकर जी के जीवन के संघर्षों पर प्रकाश अपने प्रभावी वक्तव्य से डाला। डॉ. एम.आर. रायपुरिया 'आदर्श' ने अपने अनुभव के आधार पर अंबेडकर जी के ऊपर अपने बहुमुखी विचार रखें। डॉ. बी.लक्ष्मी ने बहुभाषी कविताएं अपने अनोखे अंदाज में प्रस्तुत की। इसी क्रम में डॉ.जे नागराजन ने तमिलनाडु में कर रहे अपने विभिन्न विशिष्ट कार्यों के बारे में बताया। डॉ. उद्धव पटेल ने चिकित्सा क्षेत्र में रहते हुए अपने विद्यालय में साथ पढ़े हुए अपने एलमनाई साथियों को जोड़कर समूह बनाकर अनोखी पहल कर रहे हैं। डॉ. महिमा सिंह ने अपनी एकल काव्य पुस्तक भावमीहिका में से ÷तीन प का जाल÷ नामक कविता का काव्य पाठ किया जिसे सभी ने सराहा। डॉ. सुधांशु कुमार चक्रवर्ती ने एकांकी हिन्दी नाटक सत्ता पर एकल अभिनय प्रस्तुत किया। भोजन काल के उपरांत इस समारोह मे प्रत्येक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु अनेक सुधीजनों को ग्लोबल टॉप 50 के तहत इंटरनेशनल सिंबल ऑफ नॉलेज डॉ. बी.आर.अंबेडकर आइकॉन अचीवर्स अवॉर्ड, सावित्रीबाई फुले ग्लोबल डायमंड डिग्निटी अचीवर्स अवॉर्ड, ग्लोबल आइकॉन इक्कलिटी लिटरेरी अचीवर्स अवॉर्ड, ग्लोबल आइकॉन इक्कलिटी लिटरेरी अचीवर्स अवॉर्ड से सम्मानित किये गए।

जाति - धर्म को ले लड़ने लगे ' सभी मंत्री और मुख्यमंत्री बन जैसे के सपनों को चुरा लिए और तानाशाही दल से मिलकर सत्ता का सुख भोगने लगे ' एक मात्र भाजपा ही है जो राष्ट्रीय पार्टी के रूप में उभरा और जे पी के दर्द को समझा ' जे पी ने कहा-हम तो

विपक्षियों ने प्रधानमंत्री का सम्मान दिखाकर उन्हें अपनी ओर ले गया, मगर कहा ' तीसर सब बात मानो मगर खूँटा इन्हें गाड़ाई ' नीतीश बाबू ने स्पष्ट कहा कि मैं इंडिया नाम का विरोध किया जब मुझे लगा कि नेतृत्व कांग्रेस का होने जाता है तो उन्होंने सोचा

मोदी जी कहते हैं राष्ट्र के सर्वांगीण विकास करना है 'सबका विकास 'अपनी डफली अपना राग अलाप रहा है देश के विकास की दिशा में पक्ष-विपक्ष सबका ही सकारात्मक सहयोग मिलना चाहिए तभी न देश में सभी दलों का अपना अपना झंडा है मगर राष्ट्र का एक

सीट मिलने से कोई रोक नहीं सकता । आज भाजपा जन जन की पार्टी बनी है जबकि इण्डिया गठबंधन से अस्तित्व की बातू आती है ' यह सब मोदी जी के त्याग तपस्या का परिणाम है कि वे जनता के नाक के बाल बने है।

अखिलेश सिंह ,सुरेश ठाकुर, गंगाधर सिंह आदि ने बताया कि शुक्रवार की सुबह 4:00 बजे अचानक मौसम में हुई बदलाव एवं तेज आंधी एवं बारिश ने खलिहान में खेत से कटवा कर जमा किए गए गेहूं की फसल में

की फसल गिरने एवं खेतों में घुटने भर पानी भर जाने के कारण मक्का की फसल को भी भारी क्षति हुई है।किसानों ने प्रशासन से फसल क्षति का तत्काल सर्वे कर मुआवजा की मांग की है ।

ओपहार बिहार ने किया तीन दिवसीय सतत शैक्षणिक पुनर्वास कार्यक्रम का आयोजन

लोग अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए बिहार से दिव्यांगता को खत्म करने का संकल्प लें : नन्द किशोर यादव

पटना : ऑर्थोटिक एवं प्रोस्थेटिक प्रोफेशनल एसोसिएशन फॉर हेल्थ एंड रिहैबिलिटेशन, (ओपहार बिहार) के द्वारा जगजीवन राम संसदीय अध्ययन एवं राजनीतिक शोध संस्थान पटना में तीन दिवसीय सतत शैक्षणिक पुनर्वास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि बिहार विधानसभा अध्यक्ष नन्द किशोर यादव, विशिष्ट अतिथि पूर्व विभागाध्यक्ष ऑर्थोपेडिक्स, पीएमसीएच डॉ. आर आर कनौजिया, एनआईएलडी, कोलकाता के निदेशक डॉ. ललित नारायण, पीएमआर विभागाध्यक्ष, आईजीआईएमएस डॉ. राज कुमार, पीडियाट्रिक्स विभागाध्यक्ष, आईजीआईएमएस डॉ. आनंद कुमार गुप्ता, ओपहार बिहार के अध्यक्ष डॉ. युगल किशोर, उपाध्यक्ष डॉ. अजय कुमार, सचिव डॉ. दीपेश कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर की। इस कार्यक्रम में निशक्तता के प्रबंधन में प्रारंभिक पहचान एवं हस्तक्षेप हेतु पार विशेषज्ञ दृष्टिकोण की आवश्यकता पर वैज्ञानिक सत्र, शैक्षणिक सत्र एवं संरक्षित वार्तालाप का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम भारतीय पुनर्वास परिषद, नई दिल्ली के तत्वावधान में आयोजित किया गया जिसमें देश - विदेश के मेडिकल चिकित्सा विशेषज्ञ, आर सी आई पंजीकृत स्वास्थ्य पुनर्वास एवं शैक्षणिक विशेषज्ञ सहित कृत्रिम अंग विशेषज्ञ सम्मलित रूप से प्रतिभागी एवं ज्ञान साधन व्यक्ति ने योगदान दिया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष नन्द किशोर यादव ने इस आयोजन के लिए ओपहार को अपनी शुभकामनाएं दी और कहा कि यह तीन दिवसीय सतत शैक्षणिक पुनर्वास कार्यक्रम बिहार के लोगों के लिए फायदेमंद साबित होगा। उन्होंने कहा लोग अपने कर्तव्यों का निर्वाहन करते हुए बिहार से दिव्यांगता को खत्म करने का संकल्प लें। उन्होंने इस क्षेत्र में सरकार द्वारा किये गए कार्यों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की और ओपहार को अपनी तरफ से यथासंभव मदद करने की बात कही। वहीं अन्य अतिथियों ने भी प्रोस्थेटिक एवं ऑर्थोटिक से सम्बंधित विषयों पर प्रकाश डाला।

मोटोरोला ने लॉन्च किया मोटो बुक 60

पटना : मोबाइल तकनीकी और नवाचार में वैश्विक लीडर और भारत के प्रमुख एआई स्मार्टफोन ब्रांड, मोटोरोला, ने भारतीय बाजार में अपने पहले लैपटॉप, मोटो बुक 60 को वैश्विक स्तर पर लॉन्च कर अपनी इकोसिस्टम पेशकश को और मजबूत किया है। यह लॉन्च ब्रांड की इस दृष्टिकोण के अनुरूप है कि उपयोगकर्ताओं को डिवाइसों के बीच सहज कनेक्टिविटी और एक सहज इकोसिस्टम अनुभव प्रदान किया जाए। डिजाइन और नवाचार में नेतृत्व की विरासत को आगे बढ़ाते हुए, मोटो बुक 60 दो शानदार पैंटोन क्यूरेटेड रंगों - ब्रॉन्ज ग्रीन और वेजवुड में उपलब्ध है। 1.39 किलोग्राम वजन के साथ, मोटो बुक 60 बेहद हल्का और पतला है, जबकि इसकी प्रीमियम एल्युमिनियम बॉडी और मिलिट्री-ग्रेड मजबूती इसे टिकाऊ और आकर्षक बनाती है। मोटोरोला ने प्रो-लेवल एंटरटेनमेंट के लिए डिजाइन किया गया मोटो पैड 60 प्रो टैबलेट भी लॉन्च किया है। यह टैबलेट बॉक्स में मोटो पेन` प्रो के साथ आता है, और इसमें है 12.7 इंच की 3के` डिस्प्ले जो 144एचजेड` रिफ्रेश रेट के साथ बेहद स्मूद विजुअल्स और शानदार डिटेल्स देती है। मोटो बुक 60 की बिक्री 61,999 रुपए की प्रभावी प्रारंभिक कीमत से शुरू होगी, जबकि मोटो पैड 60 प्रो की कीमत 26,999 रुपए से शुरू होगी। दोनों डिवाइसेज 23 अप्रैल 2025 से फ्लिपकार्ट, मोटोरोलाडॉटइन और भारत भर के प्रमुख रिटेल स्टोर्स पर उपलब्ध होंगे। लॉन्च पर बोलते हुए, मोटोरोला इंडिया के प्रबंध निदेशक, टी.एम. नरसिम्हन ने कहा, हम मोटो बुक 60 और मोटो पैड 60 प्रो को पेश करते हुए बेहद उत्साहित हैं, ये दो क्रांतिकारी उत्पाद हैं जो भारत में मोटोरोला की यात्रा में एक नया और साहसिक अध्याय जोड़ते हैं।

एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय शोध सेमिनार,पुस्तक लोकार्पण एवं ग्लोबल टॉप 50 अचीवर्स अवार्ड समारोह - कन्याकुमारी में संपन्न

प्राकतिक सौंदर्य से भरपुर प्रशांत हिंद महासागर से घिरे भारत के दक्षिणी छोर कन्याकुमारी में गोपाल किरण समाजसेवी संस्था द्वारा डॉ.अंबेडकर जयंती के अवसर पर एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय भव्य सेमिनार वाय एमसीए कन्याकुमारी ,मे एसोसिएशन फॉर म्युचुअल फंड ऑफ इंडिया के सहयोग से आयोजित किया जिसमें पुस्तक लोकार्पण ,कविता पाठ एवं शोध प्रबंध पर व्याख्यान हुए जो अत्यंत महत्वपूर्ण एवं रुचि कर रहे। जिसका उद्घाटन श्री सूर्यकांत शर्मा सीनियर कंसलटेंट (अटका) द्वारा किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. एस. आर. रावपुरिया 'आदर्श' प्राचार्य साहित्यकार, सामाजिक चिंतकतथ विकास दत्तु गवई,राष्ट्रीय अध्यक्ष इतिहास विभाग डॉ.बाबासाहेब अंबेडकर मराठवाडा विद्यापिठ औरंगाबाद, श्रीमती बी. यदु (धमतरी), जे. नागराज, डॉ. शेख बेनजीर,विभागाध्यक्ष, हिंदी, चितूर, हरिलाल डेंगल, (एडवोकेट), जिला एवं सत्र न्यायालय, दंतेवाड़ा, डॉ. रविंद्र सिंह नाग,सहायक मेडिकल ऑफिसर, आदित्य प्रताप सिंह, चेन्नई ,डॉ.जे.नागराज एसोसिएट प्रोफ़ेसर, तमिलनाडु, डीआर डॉ.आर.श्रीदेवी, मंजूनाथ नीलप्पा, उत्तर कन्नड़, डॉ.एल.पी.लमानी,असिस्टेंट प्रोफ़ेसर, कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़, आदि थे। कार्यक्रम का आरंभ अंबेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उपस्थित सभी जनों ने पुष्प अर्पण किए बाबा साहब को। स्वागत गीतडॉ.सुनीता पंढेअंतरराष्ट्रीय शोध लेखिका, कवयित्री,सामाजिक वैज्ञानिक , सामाजिक चिंतक,भोपाल एवं श्रीमती बी. एल. यदु ने प्रस्तुत किया । सभी ने कार्यक्रम में संविधान के उद्देश्यों का एक स्वर में वाचन किया । कार्यक्रम के श्री सूर्यकांत शर्मा जी ने अपना अनुभव साझा किया । डा.एल.पी.लमानी जी ने अंबेडकर जी के जीवन के संघर्षों पर प्रकाश अपने प्रभावी वक्तव्य से डाला। डॉ. एस.आर. रावपुरिया "आदर्श "जी ने अपने अनुभव के आधार पर अंबेडकर जी के ऊपर अपने बहुमुखी विचार रखें । आपने उनके ऊपर एक फिल्म भी बनाई है जिसका ट्रेलर अभी रिलीज हुआ है। डॉ. बी.लक्ष्मी ने बहुभाषी कविताएं अपने अनोखे अंदाज में प्रस्तुत करी दो-दो पंक्तियों में । इसी क्रम में डॉ.जे नागराजन ने तमिलनाडु में कर रहे अपने विभिन्न विशिष्ट कार्यों के बारे में बताया और हो रही परेशानियां रखी और बताया फिर भी वह अपने कार्य में लगे हुए हैं डॉ. अंबेडकर से हमें प्रेरणा लेना चाहिए। डॉ. उद्धव पटेल ने चिकित्सा क्षेत्र में रहते हुए अपने विद्यालय में साथ पढ़े हुए अपने एलमनाई साथियों को जोड़कर समूह बनाकर अनोखी पहल कर रहे है । साथ ही एक रोचक कहानी सुनाई जिसका सार घुमंतू था । उपस्थित सभी अतिथियो सभी अतिथियों एवं विद्वान जनों ने अपने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि बाबासाहेब, यदि आप न होते तो आज हम कहां होते, कल्पना करना ही भयावह लगता है। भगवान को किसी ने नहीं देखा है, लेकिन यदि भगवान होता होगा तो स्वरूप हमारे भीमराव अम्बेडकर जैसा होगा।विश्व में यदि कोई ग्रंथ होगा तो हमारा संविधान होगा जो हमको समता , स्वतंत्रता, न्याय प्रदान करता है। वह 20वीं शताब्दी के श्रेष्ठ दार्शनिक, ओजस्वी लेखक, यशस्वी वक्ता, स्वतंत्र भारत के प्रथम कानून मंत्री, दलितों, गरीबों के मसीहा, समाजशास्त्र, मानवशास्त्र, राजनीति शास्त्र और अर्थ शास्त्र के प्रकांड विद्वान, समकालीन व समतामूलक समाज की स्थापना करने वाले विधि विशेषज्ञ और उत्कृष्ट कौशल के धनी और उदारवादी, अंधे को आँख, बहरों को कान और गूंगे को जुबान, नारी को सम्मान, गांधी को जीवनदान, भारत को सुंदर संविधान देने वाले बहुजन के विधाता, हम सबके मुक्तिदाता, वंचितों के ढाल, ज्ञान के मिसाल, नारी उद्धारक,

मंत्री प्रेम कुमार ने किया मधुबनी का दौरा, विभागवार दी जानकारी

मधुबनी/संवाददाता

डॉ. प्रेम कुमार, मंत्री, सहकारिता विभाग, बिहार ने सर्किट हाउस मधुबनी में आयोजित प्रेस वार्ता में मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि धान अधिप्राप्ति वर्ष 2024-25 में मधुबनी जिलान्तर्गत 9943 रैयत

सर्विस सेन्टर, प्रधानमंत्री जन औषधि केन्द्र, पेट्रोल/डिजल/एलपीजी आउटलेट, प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केन्द्र इत्यादि का कार्य किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री आदर्श पैक्स प्रोत्साहन योजना 2025 अन्तर्गत मधुबनी जिला के दो पैक्स यथा महिसाम,

एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय शोध सेमिनार, पुस्तक लोकार्पण एवं ग्लोबल टॉप 50 अचीवर्स अवार्ड समारोह , कन्याकुमारी में संपन्न

कन्याकुमारी से डॉ. पुरूषोतम अर्गल, / अभियान आज तक,

कन्याकुमारी/ प्राकृतिक सौंदर्य से भरपुर प्रशांत हिंद महासागर से घिरे भारत के दक्षिणी छोर कन्याकुमारी में गोपाल किरण समाजसेवी संस्था द्वारा डॉ.अंबेडकर जयंती के अवसर पर एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय भव्य सेमिनार वाय एमसीए कन्याकुमारी ,में एसोसिएशन फॉर म्यूचुअल फंड ऑफ इंडिया के सहयोग से आयोजित किया जिसमें पुस्तक लोकार्पण ,कविता पाठ एवं शोध प्रबंध पर व्याख्यान हुए जो अत्यंत महत्वपूर्ण एवं रुचि कर रहे। जिसका उद्घाटन श्री सूर्यकांत शर्मा सीनियर कंसलटेंट (स्वनिरुद्ध) द्वारा किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. एम. आर.य रायपुरिया 'आदर्श' प्राचार्य

साहित्यकार, सामाजिक चिंतक

तथा विकास दत्तु गवई,राष्ट्रीय अध्यक्ष इतिहास विभाग डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापिठ औरंगाबाद, श्रीमती बी. यदु, (धमतरी), जे. नागराज, डॉ. शेख बेनजीर,विभागाध्यक्ष, हिंदी, चित्तूर, हरिलाल डेगल, (एडवोकेट), जिला एवं सत्र न्यायालय, दंतेवाड़ा, डॉ. रविंद्र सिंह नाग,सहायक मेडिकल ऑफिसर, आदित्य प्रताप सिंह, चेन्नई ,डॉ.जे.नागराज एसोसिएट प्रोफेसर, तमिलनाडु, डीआर डॉ.आर.श्रीदेवी, मंजूनाथ नीलप्रा, उत्तर कन्नड़, डॉ.एल.पी.लमानी,असिस्टेंट प्रोफेसर, कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़, आदि थे। कार्यक्रम का आरंभ अंबेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उपस्थित सभी जनों ने पुष्प अर्पण किए बाबा साहब को।

स्वागत गीत डॉ.सुनीता पंद्रो, अंतरराष्ट्रीय शोध लेखिका, कवयित्री,सामाजिक वैज्ञानिक , सामाजिक चिंतक,भोपाल एवं श्रीमती बी. एल. यदु ने प्रस्तुत किया । सभी ने कार्यक्रम में संविधान के उद्देश्यों का एक स्वर में वाचन किया । कार्यक्रम के श्री सूर्यकांत शर्मा जी ने अपना अनुभव साझा किया ।

डा.एल.पी.लमानी जी ने अंबेडकर जी के जीवन के संघर्षों पर प्रकाश अपने प्रभावी वक्तव्य से डाला। डॉ. एम.आर. रायपुरिया "आदर्श "जी ने अपने अनुभव के आधार पर अंबेडकर जी के ऊपर अपने बहुमुखी विचार रखें । आपने उनके ऊपर एक फिल्म भी बनाई है जिसका ट्रेलर अभी रिलीज हुआ है। डॉ. बी.लक्ष्मी ने बहुभाषी कविताएं अपने अनोखे अंदाज में प्रस्तुत करी दो-दो पंक्तियों में । इसी क्रम में डॉ.जे नागराजन ने तमिलनाडु में कर रहे अपने विभिन्न विशिष्ट कार्यों के बारे में बताया और हो रही परेशानियां रखी और बताया फिर भी वह अपने कार्य में लगे हुए हैं डॉ. अंबेडकर से हमें प्रेरणा लेना चाहिए। डॉ. उद्धव पटेल ने चिकित्सा क्षेत्र में रहते हुए अपने विद्यालय में साथ पढ़े हुए अपने एलमनाई साथियों को जोड़कर समूह बनाकर अनोखी पहल कर रहे है । साथ ही एक रोचक कहानी सुनाई जिसका सार घुमंतू था । उपस्थित सभी अतिथियो सभी अतिथियों एवं विद्वान जनों ने अपनेहु अपने विचार साझा करते हुए कहा कि बाबासाहेब, यदि आप न होते तो आज हमय कहां होते, कल्पना करना ही भयावह लगता है। भगवान को किसी ने नहीं देखा है, लेकिन यदि भगवान होता होगा तो स्वरूप हमारे भीमराव अम्बेडकर जैसा होगा विश्व में यदि कोई ग्रंथ होगा तो हमारा संविधान होगा जो हमको समता , स्वतंत्रता, न्याय प्रदान करता है। वह 20वी शताब्दी के श्रेष्ठ दर्शनिक, ओजस्वी लेखक, यशस्वी वक्ता, स्वतंत्र भारत के प्रथम कानून मंत्री, दलितों, गरीबों के मसीहा, समाजशास्त्र, मानवशास्त्र, राजनीति शास्त्र और अर्थ शास्त्र के प्रकांड विद्वान, समकालीन व समतामूलक समाज की स्थापना करने वाले विधि विशेषज्ञ और उत्कृष्ट कौशल के धनी और उदारवादी, अंधे को आँख, बहरों को कान और गूंगो को जुबान, नारी को सम्मान, गांधी को जीवनदान, भारत को सुंदर संविधान देने वाले बहुजन के विधाता, हम सबके मुक्तिदाता, वंचितों के ढाल, ज्ञान के मिसाल, नारी उद्धारक, समाज सुधारक, इतिहास के पाठी, किताबों के साथी, निडर, निर्भय, धैर्यवान, उच्च कोटि के विद्वान, ज्ञान का प्रतीक, लीडर ऑफ गोलमे?, महान शिल्पकार,बौद्ध धर्म को 20वीं सदी में पूर्ण स्थापित करने वाले महानायक , जातीयता के बैरी, इंसानियत के प्रहरी, वर्तमान और भविष्य की आवा?, विश्व के सरताज, कानून के ज्ञाता संविधान निर्माता, बोधिसत्व, भारत र%, है। श्रीप्रकाश सिंह निमराजे ने कहा है जब तक देश में जातिवाद की समाप्ति नहीं होगी तब तक विषमताएं रहेगी जरूरी है इस पर कानून बनाया जाए। जिससे समानता आ सके।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों ने भाग लिया वे अंत तक मंचासीन रहे। डॉ. महिमा सिंह ने अपनी एकल काव्य पुस्तक भावमीहिका में से "तीन प का जाल" नामक कविता का काव्य पाठ किया जिसे सभी ने सराहा । डॉ. सुधांशु कुमार चक्रवर्ती ने एकांकी हिन्दी नाटक "सत्ता " पर एकल अभिनय प्रस्तुत किया।

श्रीमती बी.यदु ने सावित्री बाई फुले पर एकल नाटक प्रस्तुत किया जो की बहुत ही प्रभावशाली रहा उनकी अभिनय शैली भी बहुत ही उत्कृष्ट रही। भोजन काल के उपरांत इस समारोह मे प्रत्येक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु अनेक सुधीजनों को ग्लोबल टॉप 50 के तहत इंटरनेशनल सिंबल ऑफ नॉलेज डॉ. बी. आर. अंबेडकर आइकॉन अचीवर्स अवॉर्ड,सावित्रीबाई फुले ग्लोबल डायमंड डिग्निटी अचीवर्स अवॉर्ड,ग्लोबल आइकॉन इक्वलिटी लिटरेरी अचीवर्स अवॉर्ड,ग्लोबल आइकॉन इक्वलिटी लिटरेरी अचीवर्स अवॉर्ड,विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में देश भर से आए समाजसेवी शिक्षा विद,विचारक, साहित्यकार आदि सम्मानित किये गए । संस्था के संस्थापक श्रीप्रकाशसिंह निमराजे ने बताया कि यह सम्मान न केवल व्यक्ति विशेष की उपलब्धियां का गौरव है बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव की प्रेरणा भी है। संस्था के संस्थापक भी श्रीप्रकाश सिंह निमराजे को विकास दत्तु गवई,राष्ट्रीय अध्यक्ष इतिहास विभाग डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ औरंगाबाद ने भारतीय संविधान की उद्देशिका की फोटो युक्त तस्वीर भेंट की उनका सरल व्यक्तित्व सभी को भाया ।

डॉ. महिमा सिंह जी एक शिक्षिका ,लेखिका पर्यावरण सामाजिक विद् है साथ ही साथ धर्म एवं समाज के कई पहलुओं पर सार्थक कार्य कर रही है । संस्थान ने उनको सम्मान प्राप्त करने हेतु अनेकों बधाइयां दी और भविष्य में भी संस्था के साथ जुड़े रहने का संकल्प उनसे लिया । समता लिटरेसी ग्लोबल आइकॉन अचीवर्स अवार्ड प्राप्त करने के लिए डॉक्टर महिमा सिंह जी ने संस्था को हृदय से धन्यवाद दिया और वहां उपस्थित सभी ने उनको शुभकामनाएं दी ।

डॉ. महिमा सिंह जी ने बताया कि वह बहुत ही प्रसन्न है सम्मान को प्राप्त करके और इस खुशी की घड़ी में उनकी खुशी और भी दुगनी हो गई क्योंकि उनके जीवन साथी उनके साथ इस अवसर पर उपस्थित थे। सभी बहुत हर्षित थे और भविष्य में भी इसी तरह निरंतर कार्य करने के प्रति दृढ़ प्रतिज्ञ रहने का सभी ने वादा किया । सभी अत्यन्त उत्साहित एवं प्रसन्न चित्त दिखे। कार्यक्रम श्रीप्रकाश सिंह निमराजे के नेतृत्व में के.सी. मीणा (IFS) के संरक्षत्व में माया एस एच के मार्गदर्शन में किया गया।

संतों का काम ही लोक कल्याण एवं जन उद्धार है : जगद्गुरु श्री वसंत विजयानंद गिरि जी महाराज

श्रीराजराजेश्वरी मंदिर में राजगोपुरम के शिलालेख का वास्तुनुरुप हुआ पूजन आदि शंकराचार्य पाट परंपरानुसार जगद्गुरु का हुआ सहस्त्राभिषेक

डॉ संजय जोशी, अभियान आज तक

रायपुर। यहां छत्तीसगढ़ राज्य के मुंगेली जिले में खम्हार डीह साकेत परसिया रोड, मनियारी नदी के निकट श्री चर महामेरु पीठम के पीठाधिपति स्वामी श्री सच्चिदानंद तीर्थ महाराज के हार्दिक निमंत्रण पर पहुंचे परमहंस परिव्राजकाचार्य अनन्त श्री विभूषित कृष्णगिरी पीठाधीश्वर जग–ुरु 1008 परम पूज्यपाद श्री वसन्त विजयानन्द गिरी जी महाराज ने शुrवार को श्रीराजराजेश्वरी मंदिर के राजगोपुरम अर्थात् शिखर का वास्तुनुरुप विधिवत शिला पूजन किया। पूजन के साथ यहां उपस्थित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के मकान, दुकान इत्यादि के वास्तुदोष निवारणार्थ भी मंत्र शक्तिपात किया। उल्लेखनीय है त्रेता युग में भगवान श्री राम, माता सीता एवं लक्ष्मणजी ने बनवास के दौरान इस क्षेत्र में विचरण किया था। पूज्यपाद जग–ुरु ने प्रभु के चरणों से पवित्र इस पवित्र धरा को वंदनीय प्रणाम करते हुए लोक कल्याणार्थ समस्त भक्तों को मांगलिक भी प्रदान की।

इस मौके पर विगत दिनों प्रयागराज महाकुंभ में सनातन परंपरा में साधु संप्रदाय में सर्वोच्च पद जग–ुरु के पद से नवाजे जाने पर आदि शंकराचार्य की पाट परंपरानुसार भी श्री वसंत विजयानंद गिरि जी महाराज का स्वामीश्री सच्चिदानंद तीर्थजी ने पूजित मंत्रित कलशों से सहस्त्राभिषेक किया। इस दौरान वेदपाठी ब्राह्मण पंडितों द्वारा मंत्रोच्चार किया गया। दौराने कार्यrम अपने आशीर्वचनीय संदेश में पूज्यपाद जगद्गुरु श्री वसंत विजयानंद गिरिजी महाराज ने कहा कि भक्त बनना पुण्य है, संतों की निश्रा मिलना महापुण्य है। उन्होंने कहा कि कोई भी भक्त स्वार्थवश भी गुरु, संत अथवा भगवान के मंदिर में जाएं तो सौभाग्य से स्वभाव के अनुरूप भक्तों को पुण्य ही प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि संत हमेशा ज्ञान ही देंगे। व्यक्ति के जीवन की शैली में विनय, विवेक तथा सार्थक बनाने वाले प्रेरणादाई प्रवचन में साधना के शिखर पुरुष, सर्व धर्म दिवाकर ने जीवन के अनेक नियम भी समझाए। उन्होंने कहा कि आज के व्यक्ति में सहिष्णुता नहीं रही है। वे बोले कि पूरा संसार एक तरंग से चल रहा है। व्यक्ति की दरिद्रता, रोग, दुख का कारण अज्ञानता है। इसमें झूठ बोलना, गलत आदतें, रखना अशुद्ध रहना, गाली देना, बिना मतलब परस्पर झगड़ा करना जैसे कृत्य भी शामिल है। पूज्यपाद जग–ुरु ने प्रसंगवश केसर व इलायची का उदाहरण देते हुए यह भी कहा कि प्रकृति की यह दो चीज अनमोल है जो सुगंधित है और समृद्धि को आकर्षित करती है।

पारिवारिक रिश्तों में परस्पर प्रेम एवं समन्वय बनाए रखने की सीख देते हुए पूज्यपाद जगद्गुरु ने कहा कि जीवन में सहिष्णुता से समृद्धि निश्चित ही संभव है। इस अवसर पर श्री पार्श्व पद्मावती शक्तिपीठ तीर्थ धाम कृष्णागिरी तमिलनाडु की ओर से नवनिर्मित श्री राजराजेश्वरी मंदिर निर्माण हेतु आर्थिक सहयोग प्रदान किया गया। पीठम के श्री कार्यम डॉ कौशल किशोर दुबे, भूपेश यादव सहित अनेक विप्र जनों ने आयोजन की विभिन्न व्यवस्थाओं में किया। कृष्णगिरी तीर्थ के डॉ संकेश छाजेड़ ने बताया कि इससे पूर्व पूज्यपाद जग–ुरु के रायपुर आगमन पर हवाई अड्डे बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्तों ने गगनचुम्बी जयकारों के साथ पूज्यपाद जग–ुरु का श्रीफल , मालाओं एवं शॉल अर्पण कर स्वागत सत्कार किया।

प्राप्ति शर्मा, डिजिटल भास्कर पत्रिका न्यूज।

गुरुग्राम। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि विकसित भारत के संकल्प पर आगे बढ़ते हुए आने वाले दिनों में हरियाणा को मैन्युफैक्चरिंग का हब बनाएंगे। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में हमारी उद्योग अनुकूल तथा श्रमिक कल्याण नीतियों के चलते हरियाणा प्रदेश भारत के सबसे प्रगतिशील औद्योगिक शक्ति केंद्रों के रूप में स्थापित हुआ है। उन्होंने यह बात शुक्रवार को गुरुग्राम के मानेसर स्थित भारतीय कॉर्पोरेट मामले संस्थान में उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ बजट उपरांत बैठक को संबोधित करते हुए कही।

सीएम नायब सिंह सैनी ने बैठक में पहुंचे प्रदेश भर के उद्योग जगत के प्रतिनिधियों को श्री गुरु तेग बहादुर जी के प्रकाश पर्व की शुभकामनाएं दी। उन्होंने हिंद की चादर श्री गुरु तेग बहादुर जी के बलिदान को याद करते हुए नमन किया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का सपना है कि वर्ष 2047 में विकसित भारत बने। इसी संकल्प को पूरा करने के लिए इस बार के बजट में उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के बजट को बढ़ाकर 1848 करोड़ 12 लाख रुपए कर दिया है जोकि पिछली बार की तुलना में 129 फीसदी ज्यादा है। उन्होंने कहा कि इस बार के बजट में उद्योग जगत विशेषकर निर्माण, टैक्सटाइल, स्टार्टअप आदि के प्रतिनिधियों के सुझावों को भी शामिल किया गया है। इस बैठक में पहुंचे उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने उनके सुझावों को बजट में शामिल करने के लिए मुख्यमंत्री का आभार भी जताया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार ने मौजूदा वित्त वर्ष के बजट में औद्योगिक श्रमिकों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए कई उपाय शामिल किए गए हैं। जिसमें श्रमिकों की आवासीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सभी औद्योगिक क्षेत्रों में 300 केंद्र बनेगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश अपने औद्योगिक संस्थानों की प्रगति के बलबूते आज जीएसटी कलेक्शन में पूरे देश में पांचवें स्थान पर है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के तीन ओर से घिरे होने के कारण हमारी भौगोलिक स्थिति दिल्ली, पंजाब, राजस्थान और उत्तर प्रदेश जैसे पड़ोसी राज्यों से अद्वितीय कनेक्टिविटी प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि यह निकटता व्यवसायों को बड़े उपभोक्ता बाजार और उत्कृष्ट लॉजिस्टिक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर तक पहुंच प्रदान करती है। यही सामरिक लाभ वैश्विक निवेशकों को हमारे राज्य की ओर आकर्षित करता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार ने व्यापार के अनुकूल वातावरण बनाने तथा निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए हरियाणा एंटरप्राइजेज एंड एम्प्लॉयमेंट पॉलिसी 2020 जैसे कई महत्वपूर्ण उपाय लागू किए हैं। निवेशकों के लिए सरल व सुगम मंजूरी प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए हरियाणा सरकार ने ऑनलाइन सिंगल विंडो क्लीयरेंस सिस्टम स्थापित किए हैं, जिन्होंने हमें ईज ऑफ डूइंग बिजनेस इंडेक्स में शीर्ष राज्यों में स्थान दिलाने में मदद की है। उन्होंने कहा कि उपरोक्त व्यवस्था में आवेदक को 15 दिन की अवधि में सभी मंजूरी प्रदान की जा रही हैं। अगर संबंधित व्यक्ति के कागजों में कुछ कमियां है। तो उन्हें दूर करने के लिए 30 दिन की अवधि निर्धारित की गई है। इस पोर्टल के माध्यम से 40 से अधिक विभागों की 150 से ज्यादा सेवाएं ऑनलाइन प्रदान कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि औद्योगिक नीति को और बिजनेस फ्रेंडली बनाने के लिए सरकार ने मौजूदा बजट में नई औद्योगिक नीति और एच.एस.आई.आई.डी.सी. की ई.एम.पी. का सरलीकरण करने के लिए प्रावधान किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा में आईएमटी खरखौदा की तर्ज पर 10 नए औद्योगिक मॉडल टाउनशिप (आईएमटी) विकसित करेगी, जिसके लिए भूमि की मांग एचएसआईआईडीसी द्वारा ई-भूमि पोर्टल पर पंजीकृत की जाएगी। प्रदेश में लैण्ड पूलिंग एवं लैण्ड पार्टनरशिप पॉलिसी को आकर्षक बनाने का कार्य जारी है ताकि भूमिधारकों को विकास का बराबर लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि ये नए इनक्यूबेशन सेंटर स्थापित करने का लक्ष्य रखा है।

ये केंद्र युवा उद्यमियों को आवश्यक बुनियादी ढांचा, मार्गदर्शन और वित्तपोषण के अवसर प्रदान करेंगे ताकि वे अपने नवाचारों को सफल व्यवसायों में बदल सकें।

अगले छः महीनों में बदल जाएगी सभी औद्योगिक संपदाओं की तस्वीर

उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने गुरुग्राम आगमन पर मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी का स्वागत किया और कहा कि आपके नेतृत्व में प्रदेश का उद्योग जगत तेजी से तरक्की करेगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश के सभी औद्योगिक संपदा क्षेत्रों में सड़क, सीवरेज व स्वच्छता आदि के टेंडर जारी हो चुके हैं। औद्योगिक संगठनों की इस मांग पर अगले तीन महीने के भीतर काम शुरू हो जायेगा और छः महीने के भीतर इसे पूरा कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए नई नीति भी तैयार की जा रही है। जिसके तहत नए औद्योगिक क्षेत्र भी विकसित होंगे। उद्योगों की प्रगति से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और प्रदेश की तरक्की होगी।

पर्यावरण संरक्षण के लिए उद्योग जगत से मांगा सहयोग

राव नरबीर सिंह ने कार्यक्रम में पहुंचे उद्योग जगत से प्रतिनिधियों से पर्यावरण संरक्षण में भी अपना योगदान देने की अपील की। उन्होंने पोलीथिन को पर्यावरण के लिए बड़ा खतरा बताते हुए कहा कि पैकिंग को लेकर नए विकल्प तलाश करें ताकि हम आने वाले समय में पर्यावरण को स्वच्छ बना सके। साथ ही अपने रोजमर्रा के कामकाज में भी पर्यावरण हितैषी सामग्री का इस्तेमाल करें।

इस अवसर पर पटौदी की विधायक बिमला चौधरी, सोहना के विधायक तेजपाल तंवर, गुरुग्राम के विधायक मुकेश शर्मा, मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार प्रवीण अत्रे, भाजपा के जिला अध्यक्ष अजीत यादव आदि गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

एचएसआईआईडीसी के एमडी सुशील सारवान, सीसीआई सुनील शर्मा, डीसी अजय कुमार, पुलिस कमिश्नर विकास अरोड़ा, नगर निगम गुरुग्राम के कमिश्नर अशोक गर्ग व नगर निगम मानेसर की आयुक्त रेणु सोगन सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहे।

जैन, संभव जैन के साथ विवाह बंधन में बंध गईं। संगीत सेरेमनी में मुख्यमंत्री भगवंत मान अपनी पत्नी के साथ थिरकते नजर आए। कार्यक्रम में कुछ खास मेहमानों को ही आमंत्रित किया गया था। दिल्ली के एक फाइव स्टार होटल में आज आम आदमी पार्टी (आप) चीफ और दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल की बेटी हर्षिता की शादी संभव जैन के साथ संपन्न हुई। इससे पहले गुरुवार रात संगीत सेरेमनी में केजरीवाल और उनकी पत्नी के अलावा पंजाब के सीएम भगवंत मान भी अपनी पत्नी के साथ डांस करते नजर आए। हालांकि कार्यक्रम में कुछ खास लोगों को ही बुलाया गया है। शादी की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हैं। 20 अप्रैल को हर्षिता और संभव जैन का रिसेप्शन कार्यक्रम होगा। इस कार्यक्रम में कई खास लोगों के शामिल होने की संभावना है।

शादी समारोह में कुछ लिमिटेड लोग ही हुए शामिल हैं। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने ही शिरकत की। सूत्रों के मुताबिक, 20 अप्रैल को हर्षिता केजरीवाल और संभव जैन का रिसेप्शन कार्यक्रम होगा। रिसेप्शन की तैयारियां शुरू हो गई हैं।

बता दें कि केजरीवाल की बेटी हर्षिता ने आईआईटी से पढ़ाई की है। उनके पति संभव ने भी दिल्ली आईआईटी से हर्षिता के साथ ही पढ़ाई की है। संभव जैन और हर्षिता ने कुछ ही महीने पहले स्टार्टअप भी शुरू किया था।

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की बेटी हर्षिता केजरीवाल ने नोएडा स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल से स्कूली शिक्षा प्राप्त की और वर्ष 2014 में IIT-JEE Advanced परीक्षा में 3,322वीं रैंक हासिल की। इसके बाद हर्षिता ने आईआईटी दिल्ली से केमिकल इंजीनियरिंग में स्नातक की पढ़ाई की, जहां वे अपने डिपार्टमेंट में तीसरे स्थान पर रहीं। पढ़ाई के दौरान ही उन्हें कई नामी कंपनियों से नौकरी के ऑफर मिले।

द्रोणाचार्य राजकीय महाविद्यालय मॉडल संस्कृति महाविद्यालय नामित होने पर मुझे गर्व है : प्राचार्य डॉ पुष्पा अंतिल

प्राप्ति शर्मा, डिजिटल भास्कर पत्रिका न्यूज।

गुरुग्राम। नवनियुक्त प्राचार्य डॉ पुष्पा अंतिल ने द्रोणाचार्य राजकीय महाविद्यालय को मॉडल संस्कृति महाविद्यालय नामित किए जाने पर अपनी खुशी जताते हुए कहा कि यह हम सभी के लिए गर्व का विषय है। यहां पर हम अपने पाठकों को बता देना चाहेंगे कि हरियाणा सरकार ने विभिन्न जिलों के कॉलेजों को मॉडल संस्कृति कॉलेज बनाने के लिए चिह्नित किया है। इस योजना के अंतर्गत गुरुग्रामजिले से मात्र एक ही कॉलेज यानि द्रोणाचार्य गवर्नमेंट कॉलेज को सरकारी मापदंड के हिसाब से उपयुक्त पाया है। द्रोणाचार्य राजकीय महाविद्यालय में स्मार्ट क्लास रूम,डिजिटल लैंग्वेज लैब, स्मार्ट लाइब्रेरी ,इनक्यूबेशन सेंटर आदि सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध हैं।

इसके साथ ही खेलों के लिए मैदान, स्टेडियम, जिम, पार्क, ऑडिटोरियम आदि की सुविधा होने के कारण से इस महाविद्यालय को मॉडल के रूप में उपयुक्त पाया गया है। इस संबंध में नवनियुक्त प्राचार्या डॉ पुष्पा अंतिल ने बताया कि इस महाविद्यालय ने लगभग चार वर्ष पहले अपना कॉलेज गान भी बना लिया था। हमें हरियाणा के पहले कॉलेज गान होने का गौरव प्राप्त है। इसकी रचना भी कॉलेज के ही एक प्रोफेसर लीलमणी गौड़ ने की थी। उन्होंने आगे कहा कि गुरुग्राम यूनिवर्सिटी के अलावा इस कॉलेज में इग्नू का भी स्टडी सेंटर बनाया गया है। जिसमें लगभग साढ़े तीन हजार स्टूडेंट्स रविवार को काउंसलिंग क्लासेज लेने आते हैं।

इस दौरान प्राचार्या से अनुशासन संबंधी जानकारी भी ली गई। उन्होंने बताया कि अनुशासन ही हमारी पहचान है। इस बार भी परीक्षा केंद्र पर बहुत सख्ती बरती जाएगी। इस बार भी नकल रहित परीक्षाएं करवायी जाएंगी।

प्राचार्या ने उन्होंने कहा कि महाविद्यालय परिसर में अठारह और नये कमरे बनवाने की दिशा में हमने काम शुरू कर दिया है। सरकार और प्रशासन के प्रति हम अपना आभार व्यक्त करते हैं जो हमारी जरूरतों के प्रति संवेदनशील हैं।

श्री गुरु तेग बहादुर जी की जयंती श्री गुरु तेग बहादुर उच्चतर माध्यमिक शाला में मनाई गई

डिजिटल भास्कर पत्रिका न्यूज।

बिलासपुर, छत्तीसगढ़। सिक्खों के नवें गुरु श्री गुरु तेग बहादुर जी का प्रकाश पर्व श्री गुरु तेग बहादुर उच्चतर माध्यमिक शाला में मनाया गया। इस अवसर पर गुरु जी के छायाचित्र पर समिति के अध्यक्ष अजीत सिंह भोगल ने माल्यार्पण किया पश्चात त्रिलोचन सिंह ने दीप प्रज्वलित किया। ज्ञानी श्रवण सिंह जी पाठ कर अरदास की। अरदास के पश्चात श्री गुरु तेग बहादुर शिक्षण समिति के अध्यक्ष अजीत सिंह भोगल ने कहा कि गुरुजी एक कवि और गहरे आध्यात्मिक व्यक्तित्व थे।उनकी बहादुरी गरिमा मानवता और मृत्यु आदि के बारे में विस्तार से लिखा है जिन्हें गुरु ग्रंथ साहिब में शामिल किया गया है। मानवता दे दुर्लभ है अतः जिसने जन्म दिया है जीवन दिया है उससे प्रीति करना जरूरी है उसका शुक्रिया के गीत गाए जाए यह जरूरी है। भोगल ने कहा इतना ही नहीं इस नश्वर संसार में सब कुछ मिथ्य है बस केवल राम भजन ही सही है राम भक्ति नहीं करने पर मन पीछे पश्चाताप करता है। निंदा करने में ही सारा जीवन बीत गया यह कुमति नहीं तो क्या है ? ऐसे महान व बहादुर महापुरुष जिन्होंने धर्म की रक्षा के लिए अपना बलिदान दिया उन्हें आज याद करते हुए उनकी वाणी को अमल करते हुए चलना चाहिए। पश्चात ज्ञानी सरवन सिंह ने प्रसाद एवं समिति के सदस्यों के द्वारा बच्चों को गुरु जी के जयंती पर फल वितरण किया। इस अवसर पर त्रिलोचन सिंह बैस, चरण सिंह, कमल सिंह जब्बल, कमलजीत सिंह सोहल, अमर देव भगत, हरविंदर सिंह सिहर, गुरप्रीत सिंह, सुखविंदर सिंह, मनदीप कौर, निशी गुप्ता व शाला के शिक्षक व बच्चे उपस्थित रहे।

गरीबी अभिशाप नहीं : श्री सूर्यकांत शर्मा सीनियर कंसलटेंट

डिजिटल भास्कर पत्रिका न्यूज।

कन्याकुमारी।

भारत के दक्षिणी छोर कन्याकुमारी में गोपाल किरन समाजसेवी संस्था द्वारा एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड ऑफ इंडिया के सहयोग से सामाजिक सशक्तिकरण एवं वित्तीय साक्षरता विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन वायएमसीए, के सभागृह में डॉ. अंबेडकर जयंती की पूर्व संध्या पर कन्याकुमारी में आयोजित किया गया। जिसका उद्घाटन सूर्यकांत शर्मा (सीनियर कंसलटेंट एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड ऑफ इंडिया पूर्व डीजीएम सेबी नई दिल्ली) ने किया इस अवसर पर कहा कि गरीब अभिशाप नहीं उसको बेहतर नियोजन से दूर किया जा सकता है अपना अनुभव साझा किया सभी को बताया कि सेवानिवृति के बाद आपको पैसा चाहिए होता है तो उसको कैसे और कहां निवेश करना चाहिए इसके बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की। कर्नाटक विश्वविद्यालय धारवाड़, हिन्दी विभाग के प्राध्यापक डॉ. एल. पी. लमानी जी अपने भाषण में कहा कि भारतीय समाज "सशक्तिकरण तथा वित्तीय सशक्तिकरण के संदर्भ में डॉ भीमराव अंबेडकर जी का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। और जाति विषमताएं समाज में जनता को जकड़ीर कर दिया था। उसका उन्मूलन में अंबेडकर जी ने अपना प्रयास किया। इस तमिल प्रांत में प्राचिन काल में अलावार संतों ने सामाजिक विषमताओं को अपने उन्नयता पूर्ण रचनाओं के जरिए किया है। उन्होंने अपने सौनालिपर दिया प्रबोहम ग्रंथ में देख सकते हैं। और इसी प्रयास का परिणाम है कि पूरे देश में सशक्तिकरण सफलता पूर्वक प्रभाव पड़ने लगा था। डॉ.एम.आर.रायपुरिया आदर्श ने सामाजिक सशक्तिकरण में डॉ भीमराव अम्बेडकर जी ने अपना प्रयास किया। हम सब भारत वासियों का फर्ज है की उस महा मानवतावादी के आदर्शों को पालन करना करने को कहा है । अनुभव के आधार पर अंबेडकर उनके शोध प्रॉब्लम ऑफ रुपी के निष्कर्ष पर ही भारत में भारतीय रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की स्थापना की गई जिसका हमारे देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान है। श्री आदित्य प्रताप सिंह, (सामाजिक चिंतक एवं जनरल इंश्योरेंस चेन्नई)ने सामाजिक सशक्तिकरण वित्तीय साक्षरता पर बहुत ही कम एवं सधे एवं सरल शब्दों में अपने विचार साझा किये। वहीं कई वक्ताओं में अपने विचार रखे। विशाखापट्टनम से पधारी डॉ. बी.लक्ष्मी, ने बहुभाषी कविताएं अपने अनोखे अंदाज में हर प्रदेश की दो-दो पंक्तियों में प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में जे. नागराजन,एसोसिएट प्रोफेसर तमिलनाडु,डॉ. पुरुषोत्तम अर्गल, आदि विशिष्ट अतिथियों ने भाग लिया वे अंत तक मंचासीन रहे।

एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय शोध सेमिनार, पुस्तक लोकार्पण एवं ग्लोबल टॉप 50 अचीवर्स अवार्ड समारोह कन्याकुमारी में संपन्न

डिजिटल भास्कर पत्रिका न्यूज।

कन्याकुमारी। प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर प्रशांत हिंद महासागर से घिरे भारत के दक्षिणी छोर कन्याकुमारी में गोपाल किरण समाजसेवी संस्था द्वारा डॉ.अंबेडकर जयंती के अवसर पर एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय भव्य सेमिनार वाय एमसीए कन्याकुमारी ,में एसोसिएशन फॉर म्यूचुअल फंड ऑफ इंडिया के सहयोग से आयोजित किया जिसमें पुस्तक लोकार्पण ,कविता पाठ एवं शोध प्रबंध पर व्याख्यान हुए जो अत्यंत महत्वपूर्ण एवं रुचि कर रहे। जिसका उद्घाटन श्री सूर्यकांत शर्मा सीनियर कंसलटेंट द्वारा किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. एम. आर. रायपुरिया आदर्श प्राचार्य साहित्यकार, सामाजिक चिंतक तथा विकास दनू गवई,राष्ट्रीय अध्यक्ष इतिहास विभाग डॉ.बाबासाहेब अंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ औरंगाबाद, श्रीमती बी. यदु (धमतरी), जे. नागराज, डॉ. शेख बेनजीर,विभागाध्यक्ष, हिंदी, चित्तूर, हरिलाल डेंगल, (एडवोकेट), जिला एवं सत्र न्यायालय, दंतेवाड़ा, डॉ. रविंद्र सिंह नाग,सहायक मेडिकल ऑफिसर, आदित्य प्रताप सिंह, चेन्नई, डॉ.जे.नागराज एसोसिएट प्रोफेसर, तमिलनाडु, डीआर डॉ.आर.श्रीदेवी, मंजूनाथ नीलप्रा, उत्तर कन्नड़, डॉ.एल.पी.लमानी,असिस्टेंट प्रोफेसर, कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़, आदि थे। कार्यक्रम का आरंभ अंबेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उपस्थित सभी जनों ने पुष्प अर्पण किए बाबा साहब को। स्वागत गीत डॉ.सुनीता पंढ्री अंतरराष्ट्रीय शोध लेखिका, कवयित्री,सामाजिक वैज्ञानिक , सामाजिक चिंतक,भोपाल एवं श्रीमती बी. एल. यदु ने प्रस्तुत किया। सभी ने कार्यक्रम में संविधान के उद्देश्यों का एक स्वर में वाचन किया। कार्यक्रम के श्री सूर्यकांत शर्मा जी ने अपना अनुभव साझा किया।

डा.एल.पी.लमानी ने अंबेडकर के जीवन के संघर्षों पर प्रकाश अपने प्रभावी वक्तव्य से डाला। डॉ. एम.आर. रायपुरिया आदर्श ने अपने अनुभव के आधार पर अंबेडकर जी के ऊपर अपने बहुमुखी विचार रखें। आपने उनके ऊपर एक फिल्म भी बनाई है जिसका ट्रेलर अभी रिलीज हुआ है। डॉ. बी.लक्ष्मी ने बहुभाषी कविताएं अपने अनोखे अंदाज में प्रस्तुत करी दो-दो पंक्तियों में। इसी क्रम में डॉ.जे नागराजन ने तमिलनाडु में कर रहे अपने विभिन्न विशिष्ट कार्यों के बारे में बताया और हो रही परेशानियां रखी और बताया फिर भी वह अपने कार्य में लगे हुए हैं डॉ. अंबेडकर से हमें प्रेरणा लेना चाहिए। डॉ. उद्धव पटेल ने चिकित्सा क्षेत्र में रहते हुए अपने विद्यालय में साथ पढ़े हुए अपने एलमनाई साथियों को जोड़कर समूह बनाकर अनोखी पहल कर रहे हैं । साथ ही एक रोचक कहानी सुनाई जिसका सार चुमंतू था । उपस्थित सभी अतिथियों सभी अतिथियों एवं विद्वान जनों ने अपनेइ अपने विचार साझा करते हुए कहा कि बाबासाहेब, यदि आप न होते तो आज हम कहां होते, कल्पना करना ही भयावह लगता है। भगवान को किसी ने नहीं देखा है, लेकिन यदि भगवान होता होगा तो स्वरूप हमारे भीमराव अम्बेडकर जैसा होगा।विश्व में यदि कोई ग्रंथ होगा तो हमारा संविधान होगा जो हमको समता, स्वतंत्रता, न्याय प्रदान करता है। वह 20वीं शताब्दी के श्रेष्ठ दार्शनिक, ओजस्वी लेखक, यशस्वी वक्ता, स्वतंत्र भारत के प्रथम कानून मंत्री, दलितों, गरीबों के मसीहा, समाजशास्त्र, मानवशास्त्र, राजनीति शास्त्र और अर्थ शास्त्र के प्रकांड विद्वान, समकालीन व समतामूलक समाज की स्थापना करने वाले विधि विशेषज्ञ और उत्कृष्ट कौशल के धनी और उदारवादी, अंधे को आँख, बहरों को कान और गूंगों को जुबान, नारी को सम्मान, गांधी को जीवनदान, भारत को सुंदर संविधान देने वाले बहुजन के विधाता, हम सबके मुक्तिदाता, वंचितों के त्राता, ज्ञान के मिसाल, नारी उद्धारक, समाज सुधारक, इतिहास के पाठी, किताबों के साथी, निडर, निर्भय, धैर्यवान, उच्च कोटि के विद्वान, ज्ञान का प्रतीक, लॉर्ड ऑफ गोलमेज, महान शिल्पकार,बौद्ध धर्म को 20वीं सदी में पूर्ण स्थापित करने वाले महानायक , जातीयता के बैरी, इंसानियत के प्रहरी, वर्तमान और भविष्य की आवाज, विश्व के सरताज, कानून के ज्ञाता संविधान निर्माता, बोधिसत्व, भारत रत्न, है। श्रीप्रकाश सिंह निमराजे ने कहा है जब तक देश में जातिवाद की समाप्ति नहीं होगी तब तक विषमताएं रहेंगी जरूरी है इस पर कानून बनाया जाए। जिससे समानता आ सके।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों ने भाग लिया वे अंत तक मंचासीन रहे। डॉ. महिमा सिंह ने अपनी एकल काव्य पुस्तक भावमौक्तिका में से तीन प का वाल नामक कविता का काव्य पाठ किया जिसे सभी ने सराहा । डॉ. सुधांशु कुमार चक्रवर्ती ने एकांकी हिन्दी नाटक मंच पर एकल अभिनय प्रस्तुत किया। श्रीमती बी.यदु ने सावित्री बाई फुले पर एकल नाटक प्रस्तुत किया जो की बहुत ही प्रभावशाली रहा उनकी अभिनय शैली भी बहुत ही उत्कृष्ट रही।

भोजन काल के उपरांत इस समारोह मे प्रत्येक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु अनेक सुधीजनों को ग्लोबल टॉप 50 के तहत इंटरनेशनल सिंबल ऑफ नॉलेज डॉ. बी. आर. अंबेडकर आइकॉन अचीवर्स अवॉर्ड,सावित्रीबाई फुले ग्लोबल डायमंड डिग्निटी अचीवर्स अवॉर्ड,ग्लोबल आइकॉन इक्वलिटी लिटरेरी अचीवर्स अवॉर्ड,ग्लोबल आइकॉन इक्वलिटी लिटरेरी अचीवर्स अवॉर्ड,विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में देश भर से आए समाजसेवी शिक्षा विद,विचारक, साहित्यकार आदि सम्मानित किये गए। संस्था के संस्थापक श्रीप्रकाशसिंह निमराजे ने बताया कि यह सम्मान न केवल व्यक्ति विशेष की उपलब्धियों का गौरव है बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव की प्रेरणा भी है। संस्था के संस्थापक श्री श्रीप्रकाश सिंह निमराजे को विकास दनू गवई,राष्ट्रीय अध्यक्ष इतिहास विभाग डॉ.बाबासाहेब अंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ औरंगाबाद ने भारतीय संविधान की उद्देशिका की फोटो युक्त तस्वीर भेंट की उनका सरल व्यक्तित्व सभी को भाया।

डॉ. महिमा सिंह जी एक शिक्षिका ,लेखिका पर्यावरण सामाजिक विद् है साथ ही साथ धर्म एवं समाज के कई पहलुओं पर सार्थक कार्य कर रही हैं।

संस्थान ने उनको सम्मान प्राप्त करने हेतु अनेकों बधाइयां दी और भविष्य में भी संस्था के साथ जुड़े रहने का संकल्प उनसे लिया। समता लिटरेरी ग्लोबल आइकॉन अचीवर्स अवार्ड प्राप्त करने के लिए डॉक्टर महिमा सिंह जी ने संस्था को हृदय से धन्यवाद दिया और वहां उपस्थित सभी ने उनको शुभकामनाएं दी।

डॉ. महिमा सिंह जी ने बताया कि वह बहुत ही प्रसन्न है सम्मान को प्राप्त करके और इस खुशी की घड़ी में उनकी खुशी और भी दुगनी हो गई क्योंकि उनके जीवन साथी उनके साथ इस अवसर पर उपस्थित थे। सभी बहुत हर्षित थे और भविष्य में भी इसी तरह निरंतर कार्य करने के प्रति दृढ़ प्रतिज्ञ रहने का सभी ने वादा किया। सभी अत्यन्त उत्साहित एवं प्रसन्न चित्त दिखे। कार्यक्रम श्रीप्रकाश सिंह निमराजे के नेतृत्व में के.सी. मीणा के संरक्षण में माया एम एच के मार्गदर्शन में किया गया।

SAMAJ
50
SAMTA LITERARY GLOBAL ICON ACHIEVER'S